श्री

अर्थात्

श्रीमद्भागवतान्तर्गत श्रीकृष्णावतार की कथा

सिद्धि श्री मन्महाराजाधिराज श्री बान्धवेश श्रीकृष्णचन्द्र
कृपापात्राधिकारि रीवां राज्य भूपति गोलोकवासि
श्री १०८ श्रीजयसिंहजूदेव विरचिता

जिसको

वर्त्तमान रीवांनरेश सिद्धि श्री मन्महाराजाधिराज श्री १०८ श्रीमान्
वेंकट रमण सिंह जू देव जी. सी. यस. आई की आज्ञानुसार
श्री पण्डित भवानी दत्त जोशी बी. ए.

हेडमास्टर हाई स्कूल सतना ने

संशोधित कर

"श्री वेङ्कट रमण" यन्त्रालय में
पण्डित रघुनाथ सहाय पाठक के प्रबन्ध से

मुद्रित कर प्रकाशित किया

संवत् १९६० शाके १८२५